CSK को महज 1 रन से हराकर चौथी बार चैंपियन बनी मुंबई इंडियंस

हैदराबाद। एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जसप्रीत बुमराह और राहुल चाहर की कसी हुई गेंदबाजी के बाद लेसिथ मलिंगा के आखिरी ओवर के कमाल से मुंबई इंडियन्स ने उतार चढ़ाव से भरे रोमांचक फाइनल में रविवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को एक रन से हराकर चौथी बार आईपीएल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। चेन्नई के सामने 150 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी टीम शेन वाटसन के 59 गेंदों पर 80 रन के बावजूद सात विकेट पर 148 रन ही बना पायी। चेन्नई को आखिरी ओवर में नौ रन चाहिए थे लेकिन इसमें उसने वाटसन का विकेट गंवा दिया। मैच का परिणाम अंतिम गेंद पर निकला जिसमें चेन्नई को दो रन की दरकार थी लेकिन मलिंगा ने यार्कर पर शार्दुल ठाकुर को पगबाधा आउट कर दिया। ससे पहले मुंबई की टीम नियमित अंतराल में विकेट गंवाने के कारण क्विंटन डिकाक (17 गेंदों पर चार छक्कों की मदद से 29) से मिली अच्छी शुरुआत और कीरेन पोलार्ड (25 गेंदों पर नाबाद 41, 4ङ्क3, 6ङ्क3) के उपयोगी योगदान देने के बावजूद आठ विकेट पर 149 रन ही बना पाया। मुंबई और चेन्नई के बीच यह चौथा फाइनल था जिसमें मुंबई तीन बार चैंपियन बना है। इन दोनों टीमों के बीच हमेशा पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है और इस बार भी यह क्रम जारी रहा। शायद यही सोचकर रोहित शर्मा ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। मुंबई ने इससे पहले 2013, 2015 और 2017 में खिताब जीते थे और इस तरह से उसने एक साल छोड़कर खिताब जीतने का क्रम जारी रखा। उसने 2013 और 2015 के फाइनल में भी चेन्नई को हराया था। रोहित शर्मा ने कप्तान के रूप में चौथा खिताब भी जीता।

मुंबई की जीत में उसके गेंदबाजों ने अहम भूमिका निभायी। बुमराह और चाहर ने अपने कोटे के चार चार ओवरों में 14-14 रन दिये और क्रमशः दो और एक विकेट हासिल किया। मिशेल मैकलेनगन ने भी चार ओवर में 24 रन दिये। मुंबई का क्षेत्ररक्षण हालांकि अच्छा नहीं रहा। अकेले वाटसन को ही तीन जीवनदान मिले। इससे पहले दीपक चाहर ने मुंबई को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया था।उन्होंने 26 रन देकर तीन विकेट लेने में सफल रहे। उनके अलावा इमरान ताहिर (23 रन देकर दो) और ठाकुर (37 रन देकर दो) ने भी अच्छी गेंदबाजी की। मुंबई की तरह चेन्नई का शीर्ष क्रम भी लड़खड़ा गया। फाफ डुप्लेसिस (13 गेंदों पर 26 रन) ने जिस तरह से चौथे ओवर में क्रुणाल पंड्या की तीन गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाया उससे मुंबई के समर्थक बैचेन थे लेकिन दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने इसी ओवर में अति उत्साही शॉट लगाने के प्रयास में अपना विकेट इनाम में दे दिया।

वाटसन ने जमने में ज्यादा समय नहीं लगाया और मलिंगा पर दो चौके और छक्का जड़कर हाथ खोले, लेकिन दूसरे छोर से विकेट गिरने से वह धीमे पड़ गये। सुरेश रैना (14 गेंदों पर आठ रन) पहली बार डीआरएस के सहारे टिके रहे लेकिन राहुल चाहर की पगबाधा की अपील पर रिव्यू उनके काम नहीं आया। बुमराह ने नये बल्लेबाज अंबाती रायुडु (एक) को आते ही विकेट के पीछे कैच करवा दिया लेकिन टर्निंग प्वाइंट तब आया जब महेंद्र सिंह धोनी (आठ गेंदों पर दो रन) ओवरथ्रो पर दूसरा रन लेने के प्रयास में रन आउट हो गये। धोनी को आउट देने के लिये तीसरे अंपायर को कई कोण से रीप्ले देखना पड़ा। पंद्रह ओवर के बाद चेन्नई चार विकेट पर 88 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था। ऐसे मौके पर ड्वेन ब्रावो (15) ने मलिंगा के अगले ओवर में छक्का जबकि वाटसन ने तीन चौके लगाये। चेन्नई को जब 18 गेंदों पर 38 रन की दरकार थी तब इस आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने क्रुणाल पर लगातार तीन छक्के लगाये। लेकिन बुमराह ने ब्रावो को आउट करके मैच में फिर रोमांच भर दिया और मलिंगा आखिरी ओवर में नौ रन का बचाव करने में सफल रहे। इससे पहले डिकाक ने दीपक चाहर के दूसरे ओवर में तीन छक्कों की मदद से 20 रन बटोरे थे लेकिन इस तेज गेंदबाज ने बाकी तीन ओवर में केवल छह रन दिये। इनमें पारी का 19वां ओवर में भी शामिल है जिसमें उन्होंने चार रन दिये। मुंबई को पहले छह ओवर में रोहित शर्मा (14 गेंदों पर 15 रन) और डिकाक के विकेट गंवाये। शार्दुल ने डिकाक को जबकि दीपक चाहर ने रोहित को धोनी के हाथों कैच कराया। धोनी का यह आईपीएल में विकेटकीपर के रूप में 132वां शिकार था जो कि रिकार्ड है। चाहर का यह ओवर मेडन रहा जिससे छह ओवर के बाद मुंबई का स्कोर दो विकेट पर 45 रन हो गया। सूर्यकुमार यादव (17 गेंदों पर 15) और इशान किशन (26 गेंदों पर 23) ने विकेट बचाने को तरजीह दी। बीच में चार ओवर में केवल 13 रन बने। धोनी ने 12वें ओवर में ताहिर को गेंद सौंपी और उन्होंने दूसरी गेंद पर ही सूर्यकुमार को बोल्ड कर दिया जबकि ठाकुर ने नये बल्लेबाज क्रुणाल (सात) का अपनी ही गेंद पर दौड़ लगाकर लाजवाब कैच लिया। पोलार्ड ने 15वें ओवर में ताहिर पर छक्का जड़कर टीम का स्कोर तिहरे अंक में पहुंचाया लेकिन दक्षिण अफ्रीकी लेग स्पिनर ने इसी ओवर में किशन को आउट करके आईपीएल 2019 में 'पर्पल कैप' अपने नाम पर तय की। यह ताहिर का 26वां विकेट था और उन्होंने हमवतन कैगिसो रबाडा (12 मैचों में 25) को पीछे छोड़ा। हार्दिक पंड्या (दस गेंदों पर 16) जब चार रन पर थे तब सुरेश रैना ने उनका कैच छोड़ दिया।

IPL-12: इमरान ताहिर ले उड़े आईपीएल का पर्पल कैप, डेविड वार्नर को ऑरेंज कैप

नई दिल्ली: एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इंडियन टी20 लीग (आईपीएल-12) का चैंपियन कौन होगा, यह तो थोड़ी देर बाद पता चलेगा, लेकिन लीग के ऑरेंज और पर्पल कैप का फैसला हो गया है. आईपीएल के एक सेशन में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज को ऑरेंज कैप (Orange Cap) दी जाती है. इसका फैसला तो रविवार को फाइनल (IPL Final) शुरू होने से पहले ही हो चुका था. चेन्नई और मुंबई के बीच खेले जा रहे फाइनल की एक पारी पूरी होने के साथ ही पर्पल कैप (Purple Cap) का भी फैसला हो गया. यह खिताब इमरान ताहिर (Imran Tahir) ने अपने नाम कर लिया है.

आईपीएल-12 (IPL-12) का फाइनल रविवार (12 मई) को हैदराबाद में खेला जा रहा है. मुंबई (Mumbai Indians) और चेन्नई (Chennai

Super Kings) की टीमें आमने-सामने हैं. इस मैच में चेन्नई ने टॉस हारकर पहले गेंदबाजी की. उसने मुंबई की पारी आठ विकेट पर 149 रन पर रोक दी. चेन्नई की ओर से दीपक चाहर ने तीन और इमरान ताहिर व शार्दुल ठाकुर ने दो-दो विकेट लिए.

दक्षिण अफ्रीका के लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने इस मैच से पहले 24 विकेट झटके थे. फाइनल के दो विकेट के साथ ही उनके कुल 26 विकेट हो गए हैं. इसके साथ ही वे आईपीएल के मौजूदा सीजन में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं. उन्होंने फाइनल में दो विकेट लेकर अपने ही देश के कैगिसो रबाडा को पीछे छोड़ दिया. रबाडा ने 12 मैच में 25 विकेट झटके थे. उन्हें चोट के कारण आईपीएल अधूरा छोड़ स्वदेश लौटना पड़ा था. टॉप-5 में चेन्नई के दो गेंदबाज एमएस धोनी ने हाल ही में कहा था कि उनकी टीम के आईपीएल में शानदार प्रदर्शन की सबसे बड़ी वजह गेंदबाज हैं. पर्पल कैप यानी, सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट देखकर यह बात साबित भी हो जाती है. पर्पल कैप की लिस्ट के टॉप-5 गेंदबाजों में दो चेन्नई के हैं. इमरान ताहिर 26 विकेट के साथ पहले और दीपक चाहर 22 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं. राजस्थान के स्पिनर श्रेयस गोपाल चौथे नंबर पर हैं.

19वें ओवर में पोलार्ड की हरकत से अंपायर खफा, लगाई फटकार

हैदराबाद। एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई इंडियन्स के नाराज बल्लेबाज कीरोन पोलार्ड ने रविवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ आईपीएल फाइनल के दौरान वाइड की लाइन के समीप स्ट्राइक ली और इसके बाद पिच से लगभग बाहर चले गए जिसके लिए उन्हें अंपायरों से फटकार का सामना करना पड़ा। पोलार्ड हालांकि विरोध स्वरूप डटे रहे। मुंबई इंडियन्स की पारी के अंतिम ओवर में पोलार्ड लगातार वाइड की लाइन की ओर खिसक रहे थे और ब्रावो ने इसे भांपते हुए वाइड की लाइन के बाहर लगातार तीन खाली गेंद की। पहली गेंद पोलार्ड के बल्ले से लगी लेकिन बाकी दो गेंद को अंपायर नितिन मेनन ने वाइड नहीं दिया।

तीसरी गेंद के बाद पोलार्ड की हताशा साफ देखी जा सकती थी और उन्होंने बिना कुछ बोले बल्ला हवा में उछाल दिया। ब्रावो इसके बाद जब चौथी गेंद फेंकने के लिए बढ़े तो पोलार्ड ने स्टंप खाली छोड़ दिए और वाइड की लाइन की ओर बढ़ गए। खेल भावना के विपरीत इस आचरण के लिए स्क्वायर लेग के अंपायर इयान गोल्ड और मेनन ने इस सीनियर बल्लेबाज को फटकार लगाई। पोलार्ड ने हालांकि इस दौरान विरोध स्वरूप कुछ नहीं बोला और बल्लेबाजी के लिए तैयार हो गए।